रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 48 ● अंक – 3 एवं 4 (संयुक्तांक) ● कानपुर 16 से 28 फरवरी 2026 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

शासकीय नियंत्रण न होने के कारण

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में अराजकता जन्म ले रही है

आये दिन अनावश्यक गतिविधियाँ नये – नये गतिरोध उत्पन्न कर रही हैं

कुछ ताकतें नहीं चाहती कि

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सरकारीकरण हो

हमारा प्रयास जारी रहेगा, हमें सफ़लता अवश्य मिलेगी–डा0 इदरीसी

हमें ज़रुरत है एक ऐसे कानून की जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्वतंत्र चिकित्सा पद्धति के रुप में स्थापित कर सके, हमें ज़रुरत है एक ऐसे निकाय या अधिकरण की जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी में हो रहे कार्यों का मूल्यांकन कर सके जिससे कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये एक रास्ता बना सके।

ऐसा नहीं है कि हमारे कार्यों का मूल्यांकन नहीं हुआ है, जब–जब हमारे कार्यों का मूल्यांकन हुआ है तब–तब हम कसौटी पर खरे उतरे हैं और सरकार ने भी हमें निराश नहीं किया है, हम अपनी यादों को थोड़ा अतीत में ले जायें तो हमें स्वंय अनुभव हो जायेगा कि सरकार से इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सदैव से सहयोग और समर्थन मिलता रहा है, देश की आजादी के तुरन्त बाद सन 1952–53 में उस समय चिकित्सकों की कमी के कारण और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता नहीं होने के कारण जनसामान्य को कष्ट से दो–चार भी होना पड़ता था और तो और उस समय उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण महामारियां भी खूब फैलती थीं, जिससे कि हज़ारों लोग असमय ही काल के गाल में समा जाते थे, तत्समय चिकित्सा व्यवस्था की अधिकांश जिम्मेदारी वैद्यों पर थी, होम्योपैथी का भी इतना विकास नहीं हुआ था, साथ– साथ लोगों में होम्यापैथी के प्रति विश्वास नहीं के बराबर था, यूनानी चिकित्सा पद्धति के हकीम अपना कोई भी प्रभाव नहीं डाल पाते थे, एलोपैथी का इतना विस्तार नहीं हुआ था जितना कि आज है, गांव की जनता को ग्रामीण वैद्यों या झाड़–फूंक करने वाले ओझाओं /तान्त्रिकों का सहार लेना पड़ता था जिससे कि कभी–कभी दुर्घटनायें घट जाया करती थीं।

तब हमारे देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरु ने आवाहन किया कि ऐसी चिकित्सा पद्धतियां जो स्वास्थ्य सेवाओं में अपना योगदान प्रदान कर सकती हों निकलकर सामने आयें, इलेक्ट्रो होम्योपैथों ने भी देश प्रेम की भावना से ओत–प्रोत होकर अपनी सेवायें देने की प्रस्तुति की, उत्तर प्रदेश के विख्यात इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक स्व0 डा0 नन्द लाल सिन्हां ने भी सरकार के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत किया, कैंसर और कुष्ट जैसे असाध्य रोगों पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी की साध्यता का दावा किया, तभी सरकार ने 27 मार्च, 1953 को एक अर्धशासकीय पत्र जारी कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मंगल भविष्य की कामना की और आश्वस्त किया कि उचित अवसर आने पर सम्मानजनक स्थान दिया जायेगा, यह उदाहरण यहां पर इस लिया बताया गया है कि उस समय स्व0 डा0 नन्द लाल सिन्हा के कार्यों की निगरानी व परिणाम हेतु तत्कालीन सिविल सर्जन (आज का सी0एम0ओ0) को निर्देशित किया गया था अर्थात कार्यों का महत्व तभी होता है जब हमारे कार्यों के मूल्यांकन के लिये कोई सरकारी इकाई या सरकारी अधिकरण अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

आज़ादी के 70 वर्षों के बाद आज तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये कोई भी शासकीय इकाई का गठन नहीं होना एक बहुत बड़ी कमी है, अब जब सरकार मैकेनिज़्म के माध्यम से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये कुछ करना चाहती है तो सरकार ईमानदारी से तभी कुछ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये कर पायेगी जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में होने वाले कार्यों का मूल्यांकन सरकारी निगरानी में हो, अस्तु हमारी मांग है कि सरकार शीघ्र से शीघ्र मूल्यांकन प्राधिकरण का गठन करे।

15 अप्रैल, 2004 को प्रमुख सचिव उ0प्र0 शासन को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास हेतु बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश के अनुपालन में आवेदन किया गया था आठ साल लम्बे अन्तराल के बाद 04 जनवरी, 2012 को उत्तर प्रदेश शासन ने अन्ततः बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के पक्ष में एक शासनादेश जारी कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी से शिक्षा, चिकित्सा, रजिस्ट्रेशन एवं अनुसंधान का अधिकार तो प्रदान कर दिया साथ–साथ यह भी लिखित में उल्लेख कर दिया कि " मेडिसिन की नई पद्धतियों को मान्यता प्रदान करने के विधान का अधिनियम होने के पश्चात किसी भी क्रिया कलाप अथवा शिक्षा को उक्त अधिनियम के अनुसार विनियमित किया जायेगा।"

सरकारी विनियमिति करण हेतु बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के उत्थान हेतु हर वर्ष अधिकारिता दिवस 04 जनवरी को मनाने का निश्चय भी किया जो आज भी जारी है, इधर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 द्वारा सरकार से लिखा पढ़ी में भी कोई कसर नहीं छोड़ी गयी ,जहां एक ओर बोर्ड का यह मानना है कि सरकार ने जो शासनादेश जारी किया है वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के दृष्टि से अपर्याप्त है उधर वर्ष 2012 से 2026 तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अनेक संगठनों के प्रमुखों ने शासन में अनेक पत्र व्यवहार केवल इस आशय से किये कि उन्हें भी शासन स्तर पर एक शासनादेश जारी कर दिया जाये परन्तु उनके सभी प्रयास विफल रहे जब बात यहां से बनती नहीं दिखी तो लोगों ने न्यायालयों का सहारा लिया और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मान्यता हेतु न्यायालयों में रिटें लगाना प्रारम्भ कर दिया उनमें से अनेक तो एक सुनवाई में ही कोर्ट ने खारिज भी कर दी कुछ रिटें आज भी विचाराधीन हैं बोर्ड ने अपने प्रयासों में बल दिया और वर्ष 2025 के अन्त तक अपने अनेक प्रतिनिधि मण्डलों की टीमों के माध्यम से प्रदेश के सांसदों विधायकों चाहे वे सत्ता पक्ष के हो या विपक्ष के सभी से अनुरोध किय कि 14 वर्ष बीत जाने के बाद भी 2012 के शसनादेश के बाद सरकार ने चुप्पी साध रखी है।

उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रो के विकास हेतु सरकार की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जबकि पड़ोसी प्रदेशों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये पृथक बोर्ड के गठन हेतु अधिसूचना तक जारी हो चुकी है, इमानदारी से देखा जाये तो उ0प्र0 देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने इलेट्रो होम्यापैथी के लिये शासनादेश जारी किया है, प्रायः यह कहा जाता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कार्य जनप्रभावी हैं जनता उनका लाभ ले रही है परन्तु इतना सबकुछ होने के उपरान्त भी जो सरकारी संरक्षण हमें मिलना चाहिये उस संरक्षण की प्रतीक्षा में हम सब आज भी हैं, सरकारी तंत्र की सुस्ती के कारण अब तक सरकारी बोर्ड का गठन उ0प्र0 सरकार द्वारा नहीं हो सका है।

स्वयं ही फंसते जा रहे हैं चक्रव्यूह में

चक्रव्यूह शब्द आते ही हमें महाभारत काल की याद आ जाती है, इसी चक्रव्यूह में फंसकर अभिमन्यु जैसे वीर ने अपने प्राण गवां दिये थे, चक्रव्यूह शब्द का शाब्दिक अर्थ होता है कि अपने ही बनाये कार्यक्रमों में स्वयं फंस जाना, सामान्यतयः व्यक्ति दूसरों को फंसाने के लिये चक्रव्यूह की रचना करता है परन्तु कभी–कभी ऐसा भी हो जाता है कि दूसरों को परेशान करने के लिये जिस व्यूह की रचना की जाती है उसमें फंसकर व्यूह का रचनाकार ही स्वयं परेशान हो जाता है, वैसे तो यह सारी क्रियायें व्यक्तिगत स्वार्थ के लिये ही की जाती हैं किन्तु कभी–कभी घटनाक्रम ऐसे मोड़ लेते हैं कि सारी क्रियायें व्यर्थ हो जाती हैं इलेक्ट्रो होम्योपैथी में इस तरह की घटनायें प्रायः दिखायी दे जाती हैं जिससे कि समय–समय पर इस चिकित्सा पद्धति को नई–नई परेशानियों का सामना करते रहना पड़ता है।

वर्तमान में बहुत दिनों के बाद ऐसा हुआ है जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी में सबकुछ ठीक–ठाक चल रहा है और जो परिस्थितियां बन रही हैं वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी के उन्नयन के लिये बन रही हैं और हम सब ऐसी आशा भी कर रहे हैं कि शीघ्र ही कोई अच्छे परिणाम इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये आने वाले हैं परन्तु कुछ ऐसे व्यक्ति भी होते हैं जो परिणामों की प्रतीक्षा किये बगैर ही नये परिणाम की ओर बढ़ जाते हैं उनके इस बढ़ते हुये कदमों का असर क्या होगा इसकी वह ज़रा भी चिन्ता नहीं करते हैं और स्वयं नीति निर्धारक बनते हुये आगे कदम बढ़ा देते हैं, आगे बढ़ना बुरी बात नहीं है परन्तु जब बात व्यक्तिगत न होकर सामूहिक हो तब कदम बहुत सोच–समझकर बढ़ाने चाहिये।

हमने अनेक बार समाचारों के माध्यम से, अनेक अवसरों पर गोष्ठियों के माध्यम से, इलेक्ट्रो होम्यापैथी के अनेक कान्फ्रेन्सों में, कहा है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अच्छे दिन आने वाले हैं आप हमारा सहयोग करें हम आपको सरकारी सम्मान दिलायेंगे इसके लिये सहयोग के नाम से आप सरकार के विरुद्ध कोई रिट याचिका दाखिल न करें बाकी हम एक न एक दिन आपको वह सम्मान अवश्य दिलायेंगे जिसके आप वास्तविक हकदार हैं परन्तु कुछ लोगों ने हमारी बात को गम्भीरता से नहीं लिया और जल्दबाज़ी में ऐसे कृत्य कर डाले जो उन्हें नहीं करने चाहिये हमने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के उत्थान के लिये बिसात बिछा दी और शासन स्तर पर बात हुयी अनेक तर्क वितर्क से शासन स्तर पर समझाने में सफलता मिलने वाली ही थी तो पता यह चला कि शासन के विरुद्ध अनेक मुकदमें विचाराधीन होने के कारण इस सम्बंध में कोई वार्ता सम्भव नहीं है, कुछ साथी मुकदमे लगा कर परिणामों को लेकर याचिकाकर्ता और उनके साथी प्रसन्न हैं, परन्तु उनकी यह प्रसन्नता कितने दिनों के लिये है यह वे स्वयं नहीं जानते हैं, परन्तु इतना अवश्य है कि जो परिणाम आया है आने वाले दिनों में उसके परिणाम इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रुप से अवश्य दिखायी देने लगें गे।

यह इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर क्या प्रभाव डालेंगे ? इस विषय पर कुछ भी टिप्पणी करना अभी जल्दबाज़ी होगी परन्तु प्रभाव नहीं पड़े और नई स्थिति न निर्मित हो इससे हम इनकार नहीं कर सकते हैं, यह एक तरह से स्वयं व्यूह रचना करना और उसमें फंस जाना जैसा ही है यह सर्वविदित है कि 28 फरवरी, 2017 से भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के सन्दर्भ में जो कुछ भी कदम उठाये जा रहे हैं वे इस बात को स्वयं स्पष्ट कर रहे हैं कि भारत सरकार यह मन बना चुकी है कि अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विनियमतिकरण हो ही जाना चाहिये, इस विनियमतिकरण में जो कुछ भी औपचारिकतायें पूर्ण करनी है वह तो हर मायने में पूर्ण करना ही पड़ेगा, कारण हर शासकीय कार्य एक निश्चित प्रक्रिया से गुज़रने के बाद ही पूरी होती है भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की विनियमतिकरण के लिये जिस समयावधि के अन्दर प्रक्रिया पूरी करने के लिये कहा है उसका पालन हम सब को करना होगा यदि कोई यह कहे कि बिना प्रक्रिया पूरी करे हमें परिणाम प्राप्त हो जाये तो यह नितान्त हास्यास्पद बात होगी, इसलिये कर्तव्यों का पालन तत्पश्चात परिणामों की प्रतीक्षा करने में ही लाभ है अस्तु जो लोग इस समय न्यायालयों के माध्यम से कुछ पाना चाहते हैं वह कुछ करें या न करें इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये अवश्य ही नई व्यवस्था निर्मित कर देंगे।

चिकित्सा व्यवसाय हेतु पंजीयन की आवश्यकता क्यों ?

इसे जानिये और समझिये

आपकी योग्यता व पद्धति तय होती है
चिकित्सकों की श्रेणी में आप चिन्हित हो जाते हैं
अधिकार पूर्वक क्षमतानुसार प्रैक्टिस निडर होकर करते हैं

विभिन्न राज्यों में पंजीयन की स्थिति

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में अवमाननावाद संख्या 820/2002 में पारित आदेश के अनुपालन में

व

यू0पी0 क्लीनिकल स्टैब्लिशमेन्ट (रजिस्ट्रेशन एण्ड रेगुलेशन) रुल्स 2016

तथा

3 अगस्त, 2016 को पारित संशोधित आदेश

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा संस्था नियंत्रण अधिनियम 1973 तेज़ी से प्रभावी हो रहा है

दिल्ली प्रदेश

दिल्ली राज्य में दिल्ली मेडिकल काउन्सिल द्वारा एण्टी क्वैक्री कमेटी गठित

उत्तराखण्ड एवं हिमांचल

उत्तराखण्ड एवं हिमांचल राज्य में क्लीनिकल स्टैब्लिशमेन्ट एक्ट 2010 भारत सरकार प्रभावी हो चुका है

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में प्रैक्टिशनर रजिस्ट्रेशन एक्ट प्रभावी इसी प्रकार पूरे देश में पंजीयन की आवश्यकता बढ़ती जा रही है

आईये हम सब वैधानिक एवं राज्य में प्रचलित कानूनों का पालन करते हुये पंजीकरण करायें

और

निडर होकर प्रैक्टिस करें

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, द्वारा आदेश प्राप्त एक मात्र संगठन
इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल ऐसोसिएशन ऑफ इण्डिया (E.H.M.A.I.) द्वारा जनहित में जारी

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

8– लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

प्रशा0 कार्या0 127/204 "एस" जूही, कानपुर–208014

जनपद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों की सूची

क्रम	फोटो	नाम	जनपद	पता	मोबाईल
01		EHडा0 गौरव द्विवेदी ID-UP74	उन्नाव	469/2 वृन्दावन कालोनी, उन्नाव–209801	9935332052
02		EHडा0 रमेश कुमार द्विवेदी ID-UP61	रायबरेली	छजलापुर,आई0टी0आई0, रायबरेली–229010	9307885280
03		EHडा0 अमित कुमार विश्वकर्मा ID-UP46	लखीमपुर	ओदरहना, महेबागंज, लखीमपुर–261506	7398153468
04		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP37	जौनपुर	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
05		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP29	गाज़ीपुर	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
06		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP18	चन्दौली	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
07		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP75	वराणासी	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
08		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP49	महाराजगंज	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
09		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP70	सिद्धार्थ नगर	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
10		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP31	गोरखपुर	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
11		EHडा0 मुहम्मद इसरार खान ID-UP26	फिरोज़ाबाद	एरांव रोड, सिरसागंज, फिरोजाबाद–283151	9634503421
12		EHडा0 नेम सिंह बघेल ID-UP35	हाथरस	विवेक क्लीनिक,आगरा बाईपास रोड, सादाबाद, हाथरस–281306	8791443887
13		EHडा0 गणेश सिंह ID-UP32	हमीरपुर	सुमेरपुर, सागर रोड, हमीरपुर	9838714509
14		EHडा0 गया प्रसाद ID-UP36	जालौन	सुजानपुर, बरखेरा, जालौन–285203	8874429538
15		EHडा0 बृज किशोर शर्मा ID-UP02	अलीगढ़	गली न0–2, गोविन्द नगर, नौरंगाबाद, अलीगढ़–202001	9639520078
16		EHडा0 वकील अहमद ID-UP25	फतेहपुर	खम्बापुर, फतेहपुर–212601	8115210751
17		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP52	मऊ	निकट पुराना ग्रामीण बैंक, क़ाज़ी टोला, वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
18		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP06	आज़मगढ़	नकट पुराना ग्रामीण बैंक, क़ाज़ी टोला, वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
19		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP09	बलिया	नकट पुराना ग्रामीण बैंक, क़ाज़ी टोला, वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
20		EHडा0 रश्मी पत्नी श्री दीप नारायण ID-UP41	कानपुर देहात	आस्तिक मुनी मंदिर के सामने, कोरियाँ, कानपुर देहात–209206	6394083854
21		EHडा0 मो0 अखलाक़ ID-UP22	इटावा	128 – कटरा पुर्दल खान, इटावा –206001	7417775346
22		EHडा0 सैयद तुफ़ैलुर रहमान ID-UP23	अयोध्या (फ़ैज़ाबाद)	सादात , रौनही, अयोध्या (फ़ैज़ाबाद)–224182	9956081159
23		EHडा0 जीना अर्शद ID-UP50	मैनपुरी	मोहल्ला फर्रास, पोस्ट घिरोर, मैनपुरी–205121	7078111447
24		EHडा0 श्रीमती मौहरश्री ID-UP01	आगरा	विवेक क्लीनिक,बमान रोड, पूठा चौराहा, पोस्ट–बाससौना, आगरा–283126	7500375933
25		EHडा0 बाबू खाँ फारुक़ी ID-UP21	एटा	अलशिफा हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथिक क्लीनिक, लोहा मण्डी, अकबरपुर हवेली, जलेसर, एटा	9219775696

पेज 4 पर जारी

(पेज 3 से आगे)

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

8— लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001 प्रशा0 कार्या0 127/204 "एस" जूही, कानपुर—208014

जनपद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों की सूची

क्रम	फोटो	नाम	जनपद	पता	मोबाईल
26		EHडा0 गुलशन बानो ID-UP05	औरैय्या	पुत्री श्री सफनीउल्ला खान, 128 — कटरा पुर्दल खान, इटावा —206001	7417775346
27		EHडा0 राम कुमार सिंह ID-UP17	बुलन्द शहर	खुर्जा, बुलन्द शहर—203131	9411003464
28		EHडा0 सुमित कुमार शर्मा ID-UP54	मेरठ	आई ब्लॉक, गंगा नगर, मेरठ—250001	9760033082
29		EHडा0 साहब सिंह बुन्देला ID-UP38	झांसी	वार्ड नम्बर—1, टहरौली किला, झांसी—284202	9450073220
30		EHडा0 अरुण त्यागी ID-UP33	हापुड़	असोड़ा रोड, हापुड—245101	7983052913
31		EHडा0 पुष्पा सिंह कुशवाहा ID-UP08	बहराइच	152— बशीरगंज, बहराइच—271801	9451758141
32		EHडा0 राज कुमार तेवतिया ID-UP28	गाजियाबाद	बी0—71 श्याम पार्क एक्सटेन्शन, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद	9412129598
33		EHडा0 राज कुमार तेवतिया ID-UP27	गौतम बुद्ध नगर	बी0—71 श्याम पार्क एक्सटेन्शन, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद	9412129598
34		EHडा0 मु0 कलीम खान ID-UP16	बदायूँ	वार्ड नम्बर—7 बनिया जंगपुरा, वजीरगंज, बदायूँ—273726	7078926140
35		EHडा0 ममिता शर्मा ID-UP51	मथुरा	32—सिविल लाइन्स, पुराना बर्फखाना, मथुरा—281001	9045659550
36		EHडा0 ईश कुमार ID-UP12	बाराबंकी	पिपरहा पोस्टः अजपुरा, बाराबंकी —225414	8299617759
37		EHडा0 मारुफ मियाँ ID-UP62	रामपुर	मकान न0—62 मोहल्ला सादात, पोस्ट—शाहाबाद, रामपुर—2444922	6397922688

क्षेत्रीय कार्यालय

कानपुर

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
127/204 "एस" जूही,
कानपुर—208014

सम्बद्ध मण्डल

↓

कानपुर, चित्रकूटधाम, झाँसी, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, प्रयागराज, विन्ध्यांचल एवं वाराणासी

लखनऊ

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
8—लाल बाग, कमला शर्मा मार्ग,
लखनऊ—226001

सम्बद्ध मण्डल

↓

लखनऊ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, अयोध्या,देवीपाटन, बस्ती, गोरखपुर एवं आज़मगढ़

बी0 ई0 एच0 एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर—208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर—208014 से प्रकाशित किया।